Title: Demand to take action against the officials of the Department of Child Development, Rajasthan involved in the distribution of medicines to the pregnant women & malnutrition among children.

श्रीमती जस कौर मीणा (सवाई माधोपुर) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं जीरो-आवर में एक ऐसे चौकाने वाली घटना के बारे में बताना चाहती हूं। महिला एवं बाल विकास के लिए हमें विदेशों से बहुत सहायता मिलती है। उसी क्रम में राजस्थान के सवाई माधोपुर के करोली जिला के सपोटरा विधान सभा क्षेत्र में एक चौकाने वाली घटना हुई है। कनाडा सरकार ने बहुत कीमती दवाइयां गर्भवती महिलाओं और कुपोाण के शिकार बच्चों के लिए दी थीं। उनका वितरण राजस्थान सरकार के कर्मचारियों ने नहीं किया और कागजों में फर्जी वितरण कर दिया और सारी दवाइयां तालाब के गहरे पानी में डालकर नट कर दीं। माननीय उपाध्यक्ष जी, यह एक अति-संवेदनशील मामला है। एक तरफ तो हमारा देश महिला सशक्तीकरण वर्ा मना रहा है और दूसरी तरफ गरीबी से नीचे रहने वाली गर्भवती महिलाओं और कुपोाण के शिकार बच्चों के लिए जो विदेशों से दवाइयां सहायता के रूप में मिलती हैं उनका दुरूपयोग जिस तरह से राजस्थान में किया गया है वह शोचनीय विाय है। राजस्थान का बाल विकास विभाग आंकड़ों का मकड़जाल बना हुआ है। भारत सरकार से मेरी मांग है कि इस तरह के जघन्य अपराधियों को कभी न बख्शा जाए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

DR. NITISH SENGUPTA (CONTAI): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I would like to draw your attention to a serious matter. ...(*Interruptions*)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : आईसीडीएस का यह मामला है और केन्द्र सरकार राज्यों को ग्रांट्स देती है। हम चाहते हैं कि इस बारे में सरकार कार्रवाई करे।â€¦(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : सर, उत्तर प्रदेश में दो करोड़ से ज्यादा आदमी इससे प्रभावित हो रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Kunwar Akhilesh Singh, I have given the floor to Dr. Nitish Sengupta and not to you.